दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय
गोरखपुर-273001
(नैक प्रत्यायित 'B++' श्रेणी)
सम्बद्ध
दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

☎ : 0551-2334549
: 09792987700
e-mail : dnpggkp@gmail.com
website : www.dnpgcollege.edu.in

दिनांक : 26.05.2025

प्रकाशनार्थ

भारत का विजन है: 'विकास भी विरासत भी'

दिनांक 26.06.2025 गोरखपुर। 44 यूपी वाहिनी एनसीसी, गोरखपुर के तत्वावधान में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर की एन.सी.सी. प्लाटून/यूनिट द्वारा विकसित भारत/2047 योजना 2025–26 के अन्तर्गत 'विकास भी विरासत भी' सब–थीम पर संगोष्ठी कार्यक्रम का आयोजन एन.सी.सी. कैडेट्स के द्वारा किया गया।

संगोष्ठी के प्रथम चरण में सभी एन.सी.सी. कैडेट्स ने 'विकास भी विरासत भी' सब–थीम पर अपने–अपने विचार प्रस्तुत किये। **कार्यक्रम के द्वितीय चरण में सी.टी.ओ. डॉ. सुभाष चन्द्र ने अपने उद्बोधन में कहा कि** भारत का विजन है 'विकास भी विरासत भी'। 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र में बदलने के लिए हमें देश की बुनियादी ढांचे का विकास, आर्थिक विकास, समावेशी विकास और समाज के विभिन्न वर्गों को सशक्त बनाने पर अपना ध्यान केन्द्रित करना होगा। आर्थिक विकास और परिवर्तन के अन्तर्गत मजबूत अर्थव्यवस्था का निर्माण करने, निजी क्षेत्र के विकास को बढ़ावा देने और समावेशी विकास सुनिश्चित करने पर जोर देना होगा जिससे समाज के सभी वर्गों को लाभ मिले। देश के प्रत्येक क्षेत्र में स्वच्छ जल, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सार्वभौमिक स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास तक पहुँच सहित कठोर और नरम बुनियादी ढांचे के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। विशिष्ट सहायता तंत्र के द्वारा वंचित समूहों जैसे महिलाओं, हाशिए पर पड़े समुदायों और दिव्यांगों के सशक्तिकरण को प्राथमिकता दिया जाएगा। युवा पीढ़ी के अन्दर निहित रचनात्मकता और उनके विचारों को राष्ट्र निर्माण हेतु नवाचार और आत्मनिर्भरता के भविष्य को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित करना होगा । कृषि, एमएसएमई और निवेश के क्षेत्रों को विकास के इंजन के रूप में मान्यता देना, तथा सुधार आदि विकसित भारत की यात्रा के लिए ईंधन का कार्य करेगी।

प्रशिक्षक श्री सत्येन्द्र कुमार यादव ने अपने वक्तव्य में कहा कि विकास की प्रगती के साथ ही साथ अपनी सांस्कृतिक विरासत, परम्पराओं एवं मान्यताओं तथा प्राचीन धरोहरों को भी संरक्षित रखने पर बल दिया जाएगा। संगोष्ठी कार्यक्रम में सभी एन.सी.सी. कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

(डॉ.) शैलेश कुमार सिंह
प्रभारी, सूचना एवं जनसम्पर्क